



75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav



राष्ट्रीय जैविक संस्थान समाचार पत्रक

जनवरी-मार्च, 2024

अंक संख्या: 1



निदेशक महोदय के पटल से

संस्थान की यात्रा का एक और वर्ष बीत गया है, और हम जैविकों, सार्वजनिक स्वास्थ्य और अकादमिक उत्कृष्टता की गुणवत्ता के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने की योजना बना रहे हैं। ज्ञान साझा करने की अपनी भावना का निरंतर पालन करने और नए उत्पादों के मूल्यांकन में योगदान करने के साथ, हम आशावान हैं कि हमें वर्ष 2024 में प्रगति और समृद्धि के लिहाज से आशानुरूप सफलताएं मिलेंगी।

वर्ष 2024 की आरंभिक तिमाही में 11 से 14 मार्च, 2024 तक जैविक मानकीकरण पर आयोजित डब्ल्यूएचओ की उनहत्तरवीं विशेषज्ञ समिति की बैठक में संस्थान के एक वैज्ञानिक ने सलाहकार के रूप में भागीदारी की जो एनआईबी की उपलब्धि को दर्शाता है। एनआईबी का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इसके वैज्ञानिकों द्वारा विशेषज्ञ समितियों का हिस्सा होने के नाते और डब्ल्यूएचओ जीएमपी प्रमाणन के लिए सीडीएससीओ के साथ संयुक्त निरीक्षण में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लेकर भी किया जाता है। एनआईबी वैज्ञानिकों को अधिक संख्या में एनएबीएल मूल्यांकनकर्ताओं के रूप में नियुक्त किया जा रहा है ताकि वे देश में विभिन्न परीक्षण प्रयोगशालाओं की गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करने में योगदान दे सकें। मुझे खुशी है कि संस्थान के वैज्ञानिकों को केंद्र सरकार द्वारा सरकारी विश्लेषकों और मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर (एमडीटीओ) के रूप में अपनी अधिसूचना में शामिल करने के अलावा कुछ वैज्ञानिकों को अब राज्य सरकारों के लिए भी अधिसूचित किया गया है।

राष्ट्रीय कौशल विकास के तहत छात्रों को प्रशिक्षित करने और जैविक गुणवत्ता नियंत्रण पर प्रशिक्षण देने की अपनी परंपरा को जारी रखते हुए, एनआईबी ने विभिन्न विश्वविद्यालयों – मिजोरम, नागालैंड, जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया। जैविकों के क्षेत्र में व्याप्त प्रशिक्षित मैनपावर की कमी को पाटने के लिए संस्थान सरकारी और निजी संस्थानों/अस्पतालों/पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं/उद्योगों/विश्वविद्यालयों के पेशेवरों के लिए इन-विट्रो डायग्नोस्टिक्स, थेरेप्यूटिक्स, टीके और इन-विवो अध्ययन के लिए अनुकूलित अल्प-कालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। राष्ट्रीय मानकीकरण प्रशिक्षण संस्थान (एनआईटीएस) द्वारा "विकासशील देशों के लिए प्रयोगशालाओं की क्षमता और प्रबंधन प्रणाली" पर आयोजित 15वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के 17 देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने संस्थान का दौरा किया जिसके परिणामस्वरूप संस्थान की वैश्विक स्तर पर उपस्थिति को बल मिला।

पिछले तीन दशकों में, एनआईबी अपने सुविज्ञ, सुप्रशिक्षित, सक्षम और अत्यंत प्रेरित कर्मचारियों के जरिए जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण के अति विशिष्ट वैज्ञानिक क्षेत्र में सफलता के मार्ग पर क्रमशः प्रशस्त हुआ है। विज्ञान, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी विकास, गुणवत्ता आश्वासन और नियंत्रण के साथ-साथ वैश्वीकरण का हमारे दैनिक जीवन पर प्रभाव पड़ना अवश्यभावी और अपरिहार्य हो गया है। इसे ध्यान में रखते हुए, हम सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु काम करने के अपने उद्देश्य की ओर तेजी से बढ़ना जारी रखे हुए हैं।

मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूँ!!

इस अंक में शामिल सामग्री

| पृष्ठ संख्या | विषय |
|--------------|---|
| 2-3 | देश में एंटीबॉडी स्क्रीनिंग रेड सेल पैनल की आवश्यकता |
| 3 | जैविकों के मानकीकरण पर डब्ल्यूएचओ की 79वीं विशेषज्ञ समिति की बैठक |
| 3 | एमडीटीओ की नियुक्ति के लिए राजपत्र अधिसूचना |
| 3 | एनएबीएल मूल्यांकनकर्ता |
| 3 | अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अध्ययन में सहभागिता |
| 4 | प्रवीणता परीक्षण/ईक्यूएस |
| 4-5 | तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठकें |
| 5 | आमंत्रित वार्ता/ दिए गए व्याख्यान |
| 5 | कार्यशालाएं/सम्मेलन/सेमिनार |
| 6 | पोस्टर प्रस्तुतियाँ |
| 6 | प्रशिक्षण/दौरे/प्रकाशन |

संपादकीय टीम

संपादक

डॉ. चारु एम. कमल

एडोसिप्ट संपादक

सुश्री सुधा वी गोपीनाथ

एडोसिप्ट संपादक

डॉ. राजेश कुमार शर्मा

एडोसिप्ट संपादक

डॉ. सौरभ शर्मा



देश में एंटीबॉडी स्क्रीनिंग रेड सेल पैनल की आवश्यकता

सुश्री कंचन आहूजा, वैज्ञानिक ग्रेड-11, एनआईबी

रोगियों के लिए रक्त की सुरक्षित आपूर्ति करना चिकित्सा विज्ञान की एक अभिन्न सेवा है। ट्रांसफ्यूजन का काम सुरक्षित रूप से हो, इसके लिए प्रीट्रांसफ्यूजन परीक्षण अति महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि इसमें रक्त संग्रह की साइट पर पालन की जाने वाली सभी महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं शामिल होती हैं, इसमें प्रोसेसिंग का वह चरण भी शामिल होता है जिस समय रोगी में रक्त ट्रांसफ्यूज किया जाता है। इस प्रक्रिया में रक्त लक्षण वर्णन, अनियमित एंटीबॉडी की स्क्रीनिंग और क्रॉसमैचिंग परीक्षण जैसे सीरोलॉजिकल परीक्षण शामिल हैं जो प्रयोगशाला में किए जाते हैं।

यह देखा गया है कि किसी भी आबादी में; लगभग 2% से 4% आबादी में अनियमित लाल कोशिका एलोएंटीबॉडी पाए जाते हैं। ये एंटीबॉडी नवजात शिशु में हेमोलिटिक बीमारी का कारण बनते हैं और रक्तदाता की लाल कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं और परिणामस्वरूप ये नष्ट कोशिकाएं रक्त प्राप्तकर्ता में ट्रांसफ्यूज कर दी जाती हैं।

ट्रांसफ्यूजन थेरेपी के लिए किसी रोगी में एलोएंटीबॉडीज की उपस्थिति एक बड़ी चुनौती है जो रक्त के क्रॉस-मिलान को मुश्किल बनाती है। इस स्थिति से बचाव के लिए, ट्रांसफ्यूजन केंद्रों पर अप्रत्याशित एंटीबॉडी का नियमित परीक्षण किया जाना चाहिए। रक्त ट्रांसफ्यूजन के लिए एंटीबॉडी की सटीक विशिष्टता की जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता होती है ताकि रोगी को ट्रांसफ्यूजन से पहले संबंधित एंटीजन की कमी वाले रक्त प्रदान किए जा सकें। आरएच (D, C, E, c and e) और केल (के) एंटीजन के विरुद्ध लाल रक्त कोशिका एलोएंटीबॉडीज के सबसे आम उदाहरण हैं जो डफी, किड, एमएनएस और अन्य मामूली रक्त समूह प्रणालियों के अलावा सबसे अधिक पाए जाते हैं। आरएच और केल एंटीबॉडी के बारे में रिपोर्ट है कि ये सबसे आम नैदानिक रूप से महत्वपूर्ण एलोएंटीबॉडी हैं (मकरू एट अल. 2014)।

भारत जैसे विविधता वाले देश में, सुरक्षित रक्त ट्रांसफ्यूजन सुनिश्चित करने के लिए स्वदेशी रेड सेल पैनल समय की आवश्यकता है। वर्तमान में, ट्रांसफ्यूजन सेवाएं थैलेसीमिक रोगियों में एलोएंटीबॉडीज की उपस्थिति का पता लगाने के लिए बायो रेड, ऑर्थो, इम्यूकोर आदि से व्यावसायिक रूप से आपूर्ति किए गए 3 और 11 रेड सेल पैनल का उपयोग कर रही हैं, जिन्हें हमारे देश में तैयार नहीं किया गया है और जो हमारी आबादी में मौजूद कुछ दुर्लभ एंटीजन का पता लगाने में सक्षम नहीं है, अन्यथा एलोएंटीबॉडीज के जोखिम को कम किया जा सकता है। इन-हाउस रेड सेल पैनल का विकास न केवल आबादी में आमतौर पर मौजूद एंटीबॉडी का पता लगाने के लिए बेहद उपयोगी टूल होगा, बल्कि हमारी आबादी में मौजूद दुर्लभ एलोएंटीबॉडीज की स्क्रीनिंग और पहचान करने में भी सहायक होगा। प्री-ट्रांसफ्यूजन संगतता परीक्षण के दौरान एंटीबॉडी स्क्रीनिंग के लिए 'होम मेड' अभिकर्मक लाल रक्त कोशिकाओं को तैयार करने का ऐसा ही एक उदाहरण (नाटुकुंडा एट अल., 2021) द्वारा रिपोर्ट किया गया है। एनआईबी में रक्त अभिकर्मक प्रयोगशाला पिछले 25 वर्षों से ग्लिसरोलाइट बफर का उपयोग करके -70 डिग्री सेल्सियस पर दुर्लभ लाल रक्त कोशिका पैनल भंडार तैयार कर रही है और उसका रखरखाव कर रही है। इस भंडार में दुर्लभ और कुछ अनियमित लाल रक्त कोशिकाएं होती हैं क्योंकि उनकी रक्त समूहन अभिकर्मकों के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण में आवश्यक होती है।

देश में एंटीजन की विशाल विविधता के कारण स्थानीय आबादी से एंटीबॉडी स्क्रीनिंग पैनल प्राप्त करना एक कठिन कार्य है। दुर्लभ रक्त में उच्च आवृत्ति वाले रक्त समूह एंटीजन या कई सामान्य एंटीजन की कमी होती है। बॉम्बे (Oh) फेनोटाइप, -D -/- D -, In (a + b-), Co (a-b-), ए, बी और एच एंटीजन के कमजोर रूपों का एक मेजबान, I-i-, CdE/ CdE (ry ry), Mg कुछ लाल रक्त कोशिकाएं हैं जिन्हें भारत में दुर्लभ या अति-दुर्लभ माना जाता है (जोशी और वसंत, 2012)।

स्थानीय आबादी से प्राप्त होने वाला लाल कोशिका पैनल एंटीबॉडी का पता लगाने के लिए एक बेहतर विकल्प होगा क्योंकि गैर-स्वदेशी आबादी से प्राप्त सेल पैनल स्थानीय आबादी में कुछ एंटीबॉडी का पता नहीं लगा सकते हैं। रेड सेल पैनल अत्यधिक लागत प्रभावी, बड़ी हुई शेल्फ लाइफ होने में मदद करेगा क्योंकि आयातित रेड सेल पैनल के मामले में पैकिंग, स्टोरेज और शिपिंग क्लियरेंस में समय लगता है और जब तक शिपमेंट परीक्षण स्थल तक पहुंच पाता है, तब तक शेल्फ लाइफ कम हो जाती है। रेड सेल पैनल तैयार करना स्वदेशी निर्माताओं के साथ-साथ ट्रांसफ्यूजन सेवाओं के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य है क्योंकि भारत में सीमित कारकों का सामना करना पड़ता है (आहूजा एवं अन्य, 2015):

1. संस्थागत मानव आचार समिति से स्वैच्छिक दाताओं से नमूने एकत्र करने के लिए नैतिक मंजूरी लेना।
2. स्वैच्छिक दाताओं के बीच जागरूकता की कमी।
3. रेड सेल पैनल तैयार करने के लिए एक विशिष्ट प्रोफाइल के दाताओं की सामूहिक स्क्रीनिंग, पहचान और प्रतिधारण का अभाव जिसका उपयोग एंटीबॉडी स्क्रीनिंग और पहचान के लिए किया जा सकता है।
4. ब्लड बैंकिंग कर्मचारियों के लिए निरंतर शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अभाव।
5. दाताओं की जांच के लिए दुर्लभ प्रकार के एंटीसीरा की उपलब्धता का अभाव।
6. मौजूद एंटीजन की व्यवहार्यता के लिए पैनल का मान्यकरण।

7. रेड सेल पैनेल के शिपमेंट के लिए स्टोरेज और लॉजिस्टिक्स की कमी।

8. रेड सेल पैनेल के शेल्फ जीवन को और बढ़ाने के लिए पैनेल को क्रायोप्रिजर्व करने के लिए बुनियादी ढांचे की कमी।

जब दाताओं की पहचान हो जाती है, तो उन्हें एलोएंटीबॉडी स्क्रीनिंग और पहचान के लिए रेड सेल पैनेल के महत्व के बारे में सूचित, नामांकित और शिक्षित किया जाना चाहिए। उन्हें इस बात की जानकारी दी जानी चाहिए कि उनका योगदान सैंकड़ों-हजारों बहुमूल्य जिंदगियों को बचाने में सहायक होगा। ऐसी स्थिति के लिए, दुर्लभ दाता रजिस्ट्री दुर्लभ रक्त प्रकार वाले पहचाने गए दाताओं से आवश्यक रक्त प्राप्त करके जीवन रक्षक भूमिका निभाती है (नेस एट अल. 2016)। पोलावरपु एट अल., 2021 द्वारा दक्षिण भारत में अपनी तरह की पहली दुर्लभ दाता रजिस्ट्री स्थापित की गई है। एक क्षेत्रीय दुर्लभ दाता रजिस्ट्री का उद्देश्य दुर्लभ फेनोटाइप के लिए स्थानीय दाता आबादी की जांच करना है। यह पाया गया कि रजिस्ट्री की स्थापना के बाद, रोगियों को आवश्यक दुर्लभ रक्त प्रदान करने के लिए टर्नअराउंड समय में काफी कमी आई है (पोलावरपु एट अल., 2021)। अंत में, रक्त ट्रांसफ्यूजन सेवाओं को मजबूत करने के लिए देश के भीतर स्वैच्छिक दाताओं से स्वदेशी तीन और ग्यारह रेड सेल पैनेल तैयार करने की तत्काल आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय दुर्लभ दाता रजिस्ट्री कार्यक्रम के साथ सहयोग करने और रोगियों को रक्त की बेहतर उपलब्धता कराने के लिए लिंकेज विकसित करने का भी प्रस्ताव है।

संदर्भ

1. मकू, राज नाथ एट अल, "नई दिल्ली, भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में सामान्य रोगी आबादी में एंटीबॉडी स्क्रीनिंग और पहचान।" इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च 140.3 (2014): 401
2. नाटुकुंडा, बर्नार्ड एट अल, "युगांडा में प्रीट्रांसफ्यूजन संगतता परीक्षण के दौरान एंटीबॉडी स्क्रीनिंग के लिए 'होम मेड' अभिकर्मक लाल रक्त कोशिकाओं की उपयोगिता।" अफ्रीकी स्वास्थ्य विज्ञान 21.2 (2021): 782-787।
3. जोशी, सनमुख आर., और के.वसंता। "भारत में दुर्लभ रक्त की एक प्रोफाइल और रक्त ट्रांसफ्यूजन सेवा में इसका प्रभाव।" एशियन जर्नल ऑफ ट्रांसफ्यूजन साइंस 6.1 (2012): 42.
4. आहूजा, के., और एस. सुरिंदर। "समीक्षा: दुर्लभ दाता रजिस्ट्री: समय की आवश्यकता। इंट जे टेक रिसर्च एंड एपल 3 (2015): 104-5.
5. नेस, एस, एट अल। अंतर्राष्ट्रीय दुर्लभ दाता पैनेल: एक समीक्षा। वोक्स सेंगुइनिस् 110.3 (2016): 209-218.
6. पोलावरपु, ईशा, शमी शास्त्री और दीपिका चेन्ना। "भारत में एक क्षेत्रीय दुर्लभ दाता रजिस्ट्री का कार्यान्वयन। मेडिकल जर्नल सशस्त्र बल: भारत (2021).

जैविकों के मानकीकरण पर डब्ल्यूएचओ की 79वीं विशेषज्ञ समिति की बैठक

डॉ. आकांक्षा बिष्ट, वैज्ञानिक ग्रेड-II एवं इम्यूनोडायग्नोस्टिक किट प्रयोगशाला प्रमुख को डब्ल्यूएचओ द्वारा एक सलाहकार के रूप में आमंत्रित किया गया था और उन्होंने जैविक मानकीकरण पर 11 से 14 मार्च, 2024 तक वर्चुअल मोड में आयोजित डब्ल्यूएचओ की उनहत्तरवीं विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया।

एमडीटीओ की नियुक्ति के लिए राजपत्र अधिसूचना

डॉ. राजेश कुमार शर्मा (एचआईवी, एचबीएसएजी और एचसीवी के लिए इन विट्रो डायग्नोस्टिक किट के लिए); सुश्री कंचन आहूजा (रक्त समूहन अभिकर्मक के लिए) और सुश्री अजंता सरकार (ग्लूकोज परीक्षण स्ट्रिप्स और पूरी तरह से स्वचालित विश्लेषक-आधारित ग्लूकोज अभिकर्मकों के लिए) को 15 मार्च, 2024 को झारखंड सरकार के लिए मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग अधिकारी (एमडीटीओ) के रूप में अधिसूचित किया गया है।

एनएबीएल मूल्यांकनकर्ता

- सुश्री रश्मि श्रीवास्तव, वैज्ञानिक ग्रेड-III ने 16-20 जनवरी, 2024 को एनएबीएल द्वारा आयोजित प्रशिक्षण और अर्हकता परीक्षा में भाग लिया और एनएबीएल द्वारा 15 मार्च, 2024 को भेजी गई सूचना के अनुसार उन्होंने एनएबीएल मूल्यांकनकर्ता के रूप में अर्हता प्राप्त कर ली है।
- डॉ. सुभाष चंद, वैज्ञानिक ग्रेड-III ने 18 से 22 मार्च, 2024 तक आयोजित आईएसओ/आईईसी 17025:2017 पर आधारित एनएबीएल मूल्यांकनकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।

सहयोगात्मक अध्ययन में सहभागिता

एनआईबी की बायोएसे केंद्रीकृत सुविधा ने रानीबिजुमाब के लिए प्रथम डब्ल्यूएचओ अंतर्राष्ट्रीय मानक के विकास हेतु आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अध्ययन में राष्ट्रीय जैविक मानक और नियंत्रण संस्थान (एनआईबीएससी) के साथ भाग लिया। एनआईबी ने एक प्रतिभागी प्रयोगशाला के रूप में उम्मीदवार सामग्री का मूल्यांकन किया और प्रदर्शन का रॉ डेटा दिनांक 05 जनवरी, 2024 को एनआईबीएससी को भेज दिया ताकि उपयुक्त उम्मीदवार की सामग्री को पोटेंसी वैल्यू प्रदान की जा सके और रानीबिजुमाब के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक की घोषणा की जा सके।

प्रवीणता परीक्षण/ईक्यूएस

- पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला, एंजाइम और हार्मोन प्रयोगशाला और चिकित्सीय एंटीबायोटिक प्रयोगशाला ने मार्च के महीने में भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) के साथ एसडीएस-पीएजीई(पेज) के लिए प्रवीणता परीक्षण कार्यक्रम पीटी राउंड-04, 2023 में भाग लिया और उसमें इनका प्रदर्शन संतोषजनक रहा।
- इम्यूनोडायग्नोस्टिक किट प्रयोगशाला ने 19 फरवरी, 2024 को नॉको-एनआरएल द्वारा उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की राज्य संदर्भ प्रयोगशालाओं को एचआईवी सीरोलॉजी (राउंड 2, 2023-24) के लिए एचआईवी प्रवीणता परीक्षण पैनेल के वितरण के लिए ईक्यूएस (बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एसआरएल के 10 तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता आईडीकेएल और एनआरएल प्रभारी डॉ राजेश कुमार शर्मा ने की और शेर इंडिया टीम के श्री अजीत कुमार और डॉ मनोज कुमार इस अवसर पर उपस्थित रहे।
- बायोकेमिकल किट प्रयोगशाला को क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान II (ग्लूकोज, कोलेस्ट्रॉल, एल्ब्यूमिन, क्रिएटिनिन, यूरिक एसिड और ट्राइग्लिसराइड) के लिए एसीबीआई/सीएमसी बाहरी गुणवत्ता आकलन योजना (EQAS) – 2023 में अपनी सहभागिता के लिए वार्षिक सारांश रिपोर्ट प्राप्त हुई। सभी छह क्लिनिकल रसायन विज्ञान मापदंडों के परिणाम उत्कृष्ट (ग्रेड ए) थे।



इंडियन फार्माकोपिया मोनोग्राफ के विकास में योगदान

- पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला ने एनआईबी में प्राप्त परीक्षण परिणामों के आधार पर शामिल किए गए ड्राफ्ट मोनोग्राफ में आईपी 2022 के टेरीपैराटाइड इंजेक्शन मोनोग्राफ में प्रस्तावित संशोधन पर विशेषज्ञ राय दी।
- रक्त उत्पाद प्रयोगशाला ने रक्त और रक्त संबंधी उत्पादों के तहत भारतीय फार्माकोपिया में मानव सामान्य इम्यूनोग्लोबुलिन (आईएम/IV) के मोनोग्राफ में संशोधन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठकें

- डॉ. हरीश चंद्र, उप निदेशक (गुणवत्ता) ने 5 फरवरी, 2024 को आयोजित राष्ट्रीय बायोडिजाइन संचालन समिति की बैठक में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया।
- डॉ. हरीश चंद्र, उप निदेशक (गुणवत्ता) ने 28 मार्च, 2024 को आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली में 'कैंसर किट/प्रोब्स के मान्यकरण' पर आयोजित विचार-मंथन बैठक में भाग लिया।
- डॉ. शिखा यादव, वैज्ञानिक ग्रेड-I को सीसीएसईए, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा जेएनयू, नई दिल्ली की संस्थागत पशु आचार समिति (आईईसी) के सदस्य के रूप में नामित किया गया है और उन्होंने विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रोटोकॉल की समीक्षा और अनुमोदन हेतु 29 मार्च, 2024 को हुई बैठक में भाग लिया।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड-II ने कोविड-19 का पता लगाने के लिए नमूना कार्ड के साथ नए आईवीडी उत्पाद यानी ब्रीथ एनालाइजर उसके साथ सैंपल कार्ड (फिल्टर कार्ड) की सुरक्षा, अनिवार्यता, वांछनीयता, प्रभावशीलता और नैदानिक प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए सीडीएससीओ द्वारा 30 जनवरी, 2024 को आयोजित आईवीडी चिकित्सा उपकरण के नैदानिक प्रदर्शन मूल्यांकन करने संबंधी विशेषज्ञ समिति की बैठक में वर्चुअल मोड में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड-II ने तदर्थ परियोजनाओं और फैलोशिप की प्रगति की समीक्षा के लिए 16-17 जनवरी, 2024 को आईसीएमआर- मुख्यालय नई दिल्ली में आयोजित बैठकों में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड-II ने हितधारकों की मदद के लिए आईसीएमआर-मेडटेक मित्र सलाहकार समिति की 24 जनवरी, 2024 को आयोजित बैठक में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में वर्चुअल मोड में भाग लिया।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड-II ने 02 फरवरी, 2024 को आयोजित डीबीटी-बीआईआरएसी के प्रथम हब संस्करण में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड-II ने 19 फरवरी, 2024 को आयोजित मेडटेक मित्र की 5वीं टीएसी बैठक में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड-II ने 20 फरवरी, 2024 को मलेरिया आईवीडी पीई के लिए आयोजित बैठक में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड- II ने 06 मार्च, 2024 को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मलेरिया आईवीडी पीई के लिए MHD20-मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी एंड मेडिकल नैनोटेक्नोलॉजी पर आयोजित बैठक में एनआईबी की ओर से एक नामित सदस्य के तौर पर भाग लिया।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड- II ने 08 मार्च, 2024 को 'फंडिंग एंड इन्वेस्टमेंट इनसाइट्स' पर आयोजित DBT-BIRAC के विशेष सत्र की पहली हब बैठक में वर्चुअल मोड में भाग लिया।
- डॉ. सुरेश कुमार, वैज्ञानिक-III को पंजीकरण के नवीनीकरण के उद्देश्य से दिल्ली विश्वविद्यालय के पशु घर का 15 मार्च, 2024 को निरीक्षण करने के लिए मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सीसीएसईए द्वारा नामित किया गया था।
- डॉ. मीना कुमारी, वैज्ञानिक-II ने 20 मार्च, 2024 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से यूजी/पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज इन बायोटेक्नोलॉजी, यूआईईटी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा की नियमित समिति की बैठक में भाग लिया।
- डॉ. चारू मेहरा कमल, वैज्ञानिक ग्रेड-I, डॉ. हेमंत कुमार वर्मा, वैज्ञानिक ग्रेड-II और श्री एन नंद गोपाल, वैज्ञानिक ग्रेड- III, एंजाइम एंड हार्मोन प्रयोगशाला ने सीडीएससीओ, नई दिल्ली के जैविक प्रभाग द्वारा रिकंबिनेन्ट फॉलिकल स्टिम्युलेटिंग हार्मोन ड्रग पदार्थ (डीएस) और ड्रग उत्पाद (डीपी) से संबंधित तकनीकी मामले को अंतिम रूप देने के लिए 04 मार्च, 2024 को हाइब्रिड मोड में आयोजित तकनीकी बैठक में भाग लिया।

आमंत्रित वार्ता/ व्याख्यान

- डॉ. हरीश चंद्र, उप निदेशक (गुणवत्ता नियंत्रण) ने फार्मसी कॉलेज, रोपड़, पंजाब में 9-10 फरवरी, 2024 को 'फार्मसी शिक्षा के लिए चुनौतियां और भारत को स्वस्थ बनाने के लिए जैविक उत्पादों की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. शिखा यादव, वैज्ञानिक ग्रेड-I को 13-15 मार्च, 2024 सीएसआईआर-आईजीआईबी, दिल्ली द्वारा आयोजित "प्रयोगशाला पशु विज्ञान पाठ्यक्रम" में एक रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने "प्रयोगशाला जानवरों में दर्द और एनाल्जेसिया" पर व्याख्यान दिया और साथ ही साथ प्रायोगिक सत्रों में सहायता भी प्रदान की।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड- II ने 18 से 20 मार्च, 2024 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 8वीं विश्व कैंसर कांग्रेस - 2024 में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड- II ने 18 से 20 मार्च, 2024 तक मिजोरम विश्वविद्यालय, तनहरिल आइजोल, मिजोरम द्वारा जैविक विज्ञान में वर्तमान रुझानों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के रूप में वर्चुअल मोड में भाग लिया।



कार्यशालाएं/सम्मेलन/सेमिनार

- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड- II ने रिसर्च एंड इनोवेशन पार्क, हौज खास, आईआईटी दिल्ली में मेडटेक मित्र (एमडीएमएस आईसीएमआर नई दिल्ली) एमप्रगति (आईआईटी दिल्ली) द्वारा आयोजित 'मेडिकल डिवाइस रूल्स (एमडीआर-17) विनियम' विषय पर 09-10 जनवरी, 2024 तक आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- एंजाइम और हार्मोन प्रयोगशाला, पुनः संयोजक उत्पाद प्रयोगशाला और रक्त उत्पाद प्रयोगशाला के वैज्ञानिक स्टाफ ने मैसर्स चार्ल्स रिवर लेबोरेटरीज इंडिया लिमिटेड द्वारा 23 फरवरी, 2024 को एनआईबी में आयोजित "पुनः संयोजक एलएएल और बैक्टीरियल एंडोटॉक्सिन परीक्षण" पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- श्री अनिर्बन मुखर्जी ने मैसर्स बायोमेरीक्स में 20 से 27 फरवरी, 2024 के दौरान CO2 आधारित रैपिड माइक्रोबियल विधि के लिए आयोजित एक प्रदर्शन कार्यक्रम में भाग लिया।



पोस्टर प्रस्तुतियाँ



- इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रक्चरल एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (आईएसएमबी-यूसीएल और बिकंबेक), लंदन विश्वविद्यालय और डॉ चैलोनर ग्रामर स्कूल (अमरशम) के सहयोग से 25 मार्च, 2024 को विश्व टीबी दिवस के अवसर पर ग्रेट ऑरमंड स्ट्रीट अस्पताल, लंदन, यूके में आयोजित पोस्टर प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम में डॉ. नूपुर गर्ग (पोस्टडॉक्टरल फेलो) और डॉ. चारू मेहरा कमल, वैज्ञानिक ग्रेड- I द्वारा 'टीबी में रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर), टिकिंग टाइम बम' पर पोस्टर प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड- II के छात्रों ने 17 से 20 जनवरी 2024, तक DBT THSTI-RCB कैंपस, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) में स्तन कैंसर से निपटने के लिए संकेत देते दो पोस्टर प्रस्तुत किए, जिनमें दर्शाया गया था SARS-CoV-2 वैरिएंट में भेद करने के लिए नोवल मालिकुलर एसे का विकास और मान्यकरण और GADD45 में नोवल रेगुलेटरी प्लेयर्स LNC RNAse और miRNA की पहचान करना।

प्रशिक्षण

- एनआईबी ने 08 से 19 जनवरी, 2024 तक मिजोरम विश्वविद्यालय (मिजोरम) (नागालैंड) और नागालैंड विश्वविद्यालय के 27 पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए दो सप्ताह के राष्ट्रीय कौशल विकास और जैविक गुणवत्ता नियंत्रण में प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन किया।
- एनआईबी ने 05 से 16 फरवरी, 2024 तक जम्मू विश्वविद्यालय और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के 28 पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए दो सप्ताह के राष्ट्रीय कौशल विकास और जैविक गुणवत्ता नियंत्रण में प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन किया।
- रक्त अभिकर्मक प्रयोगशाला में 22 से 23 जनवरी, 2024 तक "रक्त समूहन अभिकर्मकों और रक्त समूहन आईवीडी के क्यूसी मूल्यांकन में प्रयुक्त पैनल तैयारी के लिए आरबीसी के क्रायोप्रिजर्वेशन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
- इन-विवो बायोएसे प्रयोगशाला और पशु सुविधा में 05 से 09 फरवरी, 2024 तक "अनुसंधान एवं नियामक परीक्षण में प्रयोगशाला पशुओं का नैतिक उपयोग एवं उनकी देखभाल" विषय पर 05 दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
- एंजाइम और हार्मोन प्रयोगशाला में 19-23 फरवरी, 2024 तक "बैक्टीरियल एंडोटॉक्सिन टेस्टिंग (बीईटी)" पर 05 दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन।

दौरे

- एनआईबी ने 06 फरवरी, 2024 को 01 एनआईटीएस प्रतिनिधि सहित 17 देशों के 35 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए प्रयोगशाला के दौरे का आयोजन किया। ये अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि एनआईटीएस, नोएडा द्वारा "विकासशील देशों के लिए प्रयोगशालाओं की क्षमता और प्रबंधन प्रणाली" विषय पर आयोजित 15वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने आए हुए थे।
- जेएसएस कॉलेज ऑफ फार्मसी, श्री शिवरात्रिश्रर नगर, (मैसूरु) के फार्मसी छात्रों के लिए 30 जनवरी, 2024 को प्रयोगशाला दौरे आयोजित किया गया।
- 21 मार्च, 2024 को रायत बेहरा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मसी, होशियारपुर, पंजाब के एम. फार्मसी छात्रों के लिए प्रयोगशाला दौरे का आयोजन किया गया।

प्रकाशन

- अनूप कुमार, नीरज कुमार, अनूप अन्वीकर, गौरी मिश्रा; मंकीपॉक्स वायरस: रोगजनन और प्रयोगशाला परीक्षण विधियों के बारे में जानकारी, 3 बायोटेक। 2024 मार्च; 14(3):67.
- संजय मेंदीरत्ता, गुरमिंदर बिंद्रा, सुखविंदर सिंह, पूनम कटोच, कृतिका पांडे, हरीश चंद्र, अनूप कुमार, आर अन्वीकर, चारू मेहरा कमल; "कम ही अधिक है:" व्यापक आरएच इंसुलिन विश्लेषण के लिए एक विधि को मान्य करना" जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड बायोमेडिकल विश्लेषण में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है।
- शालिनी तिवारी, निहारिका त्रिवेदी, सांची गोयल, रश्मि श्रीवास्तव, सुधा.वी. गोपीनाथ, आयुषी खुराना, अनूप कुमार आर. अन्वीकर; आईएसओ/आईईसी 17025 के लिए राष्ट्रीय नियंत्रण प्रयोगशालाओं में जैविकों के परीक्षण में मापन अनिश्चितता: व्यावहारिक दृष्टिकोण, दिनांक 09.03.2024 को प्रत्यायन और गुणवत्ता आश्वासन जर्नल, स्प्रिंगर में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

महिला दिवस समारोह

एनआईबी ने 8 मार्च, 2024 को विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करके बड़े उत्साह और उमंग के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया।



Designed & Printed by : www.censer.in (Ph) 9810213218

आभार :

समाचार पत्रक की संपादकीय टीम एनआईबी के सभी कर्मचारियों के योगदान के लिए आभार व्यक्त करती है।



राष्ट्रीय जैविक संस्थान

ए-32, सैक्टर-62, एनएच-24 के पास, नोएडा - 201309, उत्तर प्रदेश
एनआईबी वेबसाइट : <http://nib.gov.in>, ई-मेल : info@nib.gov.in
टेलीफोन : 0120-2400072, 2400022, फैक्स: 0120-2403014



समाचार पत्रक से संबंधित किसी भी अन्य जानकारी/सुझावों/प्रश्नों के लिए कृपया संपर्क करें:

डॉ सौरभ शर्मा, एसोसिएट संपादक, ई-मेल: saurabh.86@nib.gov.in

कृपया संस्करण में सुधार करने हेतु आपके बहुमूल्य विचार और प्रतिक्रिया आमंत्रित है। हमें आपके उत्तर की प्रतीक्षा रहेगी !!!